2024

2nd Semester Examination

HINDI (Honours)

Paper : C 4-T

(प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक)

(New Syllabus)

[Revised Syllabus, w.e.f. Session 2022-23]

[CBCS]

Full Marks : 60 Time : Three Hours

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दस*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10=20

(क) 'रोटी और संसद' तथा 'रश्मिरथी' के रचनाकार का नाम बताइए।

(ख) 'हंसो, हंसो जल्दी हंसो' एवं 'कनुप्रिया' के रचनाकार का नाम बताइए।

(ग) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की दो कविताओं के नाम लिखिए।

(घ) नागार्जुन के दो कविता-संग्रहों के नाम बताइए।

(ङ) अज्ञेय का पूरा नाम लिखते हुए उनके किसी एक काव्य-संग्रह का नाम बताइए।

(च) शमशेर बहादुर सिंह की दो कविताओं के नाम लिखिए।

(छ) गिरिजा कुमार माथुर के प्रथम काव्य-संग्रह का क्या नाम था? इसकी भूमिका किसने लिखी थी?

(ज) 'भूरी भूरी खाक धूल' किसका काव्य-संकलन है? इसका प्रकाशन वर्ष क्या है?

(झ) नागार्जुन का मूल नाम क्या था? वह किस उपनाम से लिखते थे?

(ञ) 'बोले बोल अबोल' किसकी रचना है? इसका प्रकाशन वर्ष बताइए।

(ट) शिवमंगल सिंह 'सुमन' के दो काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

(ठ) 'कविता के नए प्रतिमान' एवं 'नयी कविता और अस्तित्ववाद' पुस्तक के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ड) भवानी प्रसाद मिश्र के दो काव्य-संग्रहों के नाम बताइए।

(ढ) हिंदी-साहित्य में प्रयोगवाद का जनक किसे माना जाता है? उनके द्वारा संपादित प्रसिद्ध पत्रिका का क्या नाम था?

(ण) प्रभाकर माचवे के दो काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर टिप्पणी लिखिए : 5×4=20

(क) प्रगतिवादी काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों

(ख) 'नदी के द्वीप' का भावार्थ

(ग) केदारनाथ अग्रवाल की काव्यगत विशेषताएं

(घ) 'कलगी बाजरे की' कविता के शीर्षक की सार्थकता

(ङ) कवि धूमिल

(च) 'शासन की बंदूक' कविता का मुख्य प्रतिपाद्य

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) प्रयोगवादी काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

(ख) समकालीन कविता के वैशिष्ट्यों पर प्रकाश डालिए।

(ग) अज्ञेय की प्रयोगधर्मिता पर सोदाहरण चर्चा कीजिए।

(घ) नागार्जुन की प्रगतिशील चेतना पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

B.A./2nd Sem (H)/HIN/24(CBCS)Old

2024

2nd Semester Examination

HINDI (Honours)

Paper : C 4-T

(आधुनिक हिन्दी कविता छायावाद तक)

(Old Syllabus)

[CBCS]

Full Marks : 60 Time : Three Hours

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दस*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10=20

(क) 'नीलदेवी' तथा 'चुभते चौपदे' के रचनाकारों के नाम लिखिए।

(ख) खड़ीबोली हिंदी का पहला महाकाव्य कौन-सा है? इसके रचनाकार का नाम बताइए।

(ग) भारतीय नवजागरण के अग्रदूत किसे माना जाता है? इनका जन्म कब हुआ था?

(घ) मैथिलीशरण गुप्त के किन्हीं दो नाटकों के नाम लिखिए।

(ङ) "उसके आशय की थाह मिलेगी किसको?
जनकर जननी ही जान न पाई जिसको?" — यह पंक्ति किस कविता से उद्धृत है तथा इसके रचनाकार कौन हैं?

(च) रामनरेश त्रिपाठी के किन्हीं दो प्रबंध काव्यों के नाम लिखिए।

(छ) 'वीरांगना' तथा 'सुभद्रा और लक्ष्मी' की विधा एवं रचनाकार के नाम लिखिए।

(ज) जयशंकर प्रसाद के एक उपन्यास तथा एक कहानी संग्रह का नाम बताइए।

(झ) 'निराला की साहित्य साधना' पुस्तक के रचनाकार कौन हैं और यह पुस्तक कितने खंड में हैं?

(ञ) निराला का जन्म और मृत्यु कब हुई?

(ट) 'द्रुत झरो जगत के जीर्ण-पत्र' — यहाँ 'जीर्ण-पत्र' से क्या आशय है? इसके कवि कौन हैं?

(ठ) सुमित्रानंदन पंत की किस रचना को और कब ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला?

(ड) महादेवी वर्मा के किन्हीं दो काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

(ढ) 'मैं नीर भरी दुख की बदली' किस विधा में लिखी गई है और इसकी रचयिता कौन हैं?

(ण) छायावाद के प्रमुख चार स्तंभों के नाम बताइए।

P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×4=20

(क) "भूँजी भाँग नहीं घर भीतर, का पहिनी का खाई।
टिकस पिया मोरी लाज का रखल्यो, ऐसे बनो न कसाई॥
तुम्हें कैसर दोहाई।"

(ख) "हो जाये अच्छी भी फसल, पर लाभ कृषकों को कहाँ
खाते, खवाई, बीज ऋण से हैं रंगे रक्खे जहाँ
आता महाजन के यहाँ वह अन्न सारा अंत में
अधपेट खाकर फिर उन्हें है काँपना हेमंत में"

(ग) "जब व्याध का अपराध भी अपराध नहिं माना गया।
तब तुच्छतर अपराधियों पर क्यों विशिख ताना गया।
सुनकर पुकार गयंद की जब नयन से आँसू बहा।
तब किस तरह नरपुंज हाहाकार जाता है सहा॥"

(घ) "असंख्य कीर्ति-रश्मियाँ विकीर्ण दिव्य दाह-सी
सपूत मातृभूमि के- रुको न शूर साहसी!
अराति सैन्य सिंधु में, सुवाडवाग्नि से जलो,
प्रवीर हो जयी बनो - बढ़े चलो, बढ़े चलो!"

(ङ) "भूख से सूख ओठ जब जाते
दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसूओं के पीकर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए!"

(च) "विस्तृत नभ का कोई कोना
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना, इतिहास यही-
उमड़ी कल थी, मिट आज चली!"

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल' — इस कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'कैकेयी का अनुताप' कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(ग) जयशंकर प्रसाद की कविताएँ राष्ट्र प्रेम का आह्वान करती हैं — तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(घ) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविताओं में निहित प्रगतिशीलता पर विचार कीजिए।

———————